समृद्धि के लिए अभिकथन

धन शुभ है (2 x)
धन बहुत-बहुत शुभ है (2 x)
मुझे धन की आवश्यकता है
हर किसी को धन की आवश्यकता है
हर परिवार को धन की आवश्यकता है
हर देश को धन की आवश्यकता है
और पूरे संसार को धन की आवश्यकता है

धन तुम सब कुछ हो, धन तुम स्वास्थ्य हो
धन तुम शिक्षा हो, धन तुम प्रसन्नता हो, धन तुम आनंद हो

धन तुम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो, धन तुम मेरे लिये बहुत महत्वपूर्ण हो

देने से ही प्राप्ति होती है
जितना मैं देता हूँ, उससे भी अधिक मुझे मिलता है,
जितना अधिक मुझे मिलता है, उतना ही अधिक मैं देता हूँ,
यह भगवान का नियम है

मैं पैसा देता हूँ, मुझे ख़ूब पैसा मिलता है
मैं खाना देता हूँ, मुझे ख़ूब खाना मिलता है
मैं प्यार देता हूँ, मुझे ख़ूब प्यार मिलता है

जो भी मुझे मिल रहा है, मैं उसे बाँट रहा हूँ और दे रहा हूँ
भगवान् मुझे उसी चीज़ का प्रतिफल अधिकता में देंगे जो मैं बाँट रहा हूँ और दे रहा हूँ, यह भगवान का नियम है

पैसा तुम नदी की तरह मेरी तरफ़ बहते आओ
पैसा तुम मुझ पर बारिश की तरह बरसो
पैसा तुम मुझ पर झरने की तरह झरो, मुझ पर पैसे की प्रचुरता का आशीर्वाद है

भगवान, आप मुझे, मेरे परिवार को, मेरी कंपनी को प्रचुर समृद्धि, प्रचुर संपत्ति व प्रचुर धन का आशीर्वाद प्रदान करें

भगवान, आप हर व्यक्ति को, हर परिवार को, हर देश को
प्रचुर समृद्धि ऊर्जा , प्रचुर संपत्ति और प्रचुर धन का आशीर्वाद प्रदान करें

भगवान,सभी प्राणियों का जीवन आनन्द , प्रसन्नता , धन-दौलत और स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो, आप का आशीर्वाद सब पर बना रहे
भगवान आपका धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद !

समृद्धि के लिए अभिकथन

www.pranaviolethealing.com

Revised JULY 2017